थारुगावनम सिद्ध पीठम (ट्रस्ट) और श्री अगस्त्य महा शिव सूक्ष्म नाडी ज्योतिष केंद्र ज्योतिष केंद्र में आपका स्वागत है

हमारा श्री अगस्त्य महाशिव सूक्ष्म नाड़ी ज्योतिष केंद्र पेरुंचेरी, मयिलादुथुराई, मयिलादुथुराई, तमिलनाडु में स्थित है। हमारा केंद्र विश्वव्यापी सेवाओं में सर्वश्रेष्ठ सर्वश्रेष्ठ शिवनाड़ी ज्योतिष है। हमारा केंद्र दुनिया भर में सबसे अधिक मांग वाले वाले नाड़ी ज्योतिष केंद्रों में से एक है। इस आधिकारिक वेबसाइट के मालिक हमारे हमारे गुरु जी पी. करण स्वामी हैं। सबसे भरोसेमंद नाड़ी ज्योतिषी गुरु जी पी. करण स्वामी। हमने पिछले 30 वर्षों से ऑनलाइन और ऑफलाइन नाड़ी ज्योतिषी ज्योतिषी रीडिंग प्रदान की है। यह हमारी पांचवीं पीढ़ी की चिरस्थायी सेवा है जो हम हम दुनिया भर में अपने वफादार ग्राहकों को प्रदान करते हैं। ताड़ के पत्तों से ज्योतिष, वैथीश्वरन कोइल, भारत (तमिल) में स्थित एक हिंदू मंदिर है जो भगवान भगवान शिव को समर्पित है। क्या आपको आश्चर्य होगा अगर आज महा शिवनाडी शिवनाडी ज्योतिष द्वारा आपके भूत, वर्तमान और भविष्य की सटीक भविष्यवाणी भविष्यवाणी की जाए? इसलिए, वह आपके भविष्य के बारे में जानकारी देने में अद्वितीय हैं। हमारे गुरुजी "विश्व सेवा में ऑनलाइन वास्तविक नाडी ज्योतिषी" हैं।

हैं।
तमिलनाडु, भारत के सबसे अनुभवी ज्योतिषियों में से एक से स्पष्ट और विश्वसनीय विश्वसनीय भविष्यवाणियाँ प्राप्त करने का यह अवसर न चूकें। पता लगाएँ कि आप आप कौन हैं और आप इस दुनिया में क्यों रहते हैं। आत्मविश्वास और स्पष्टता के के साथ सही निर्णय लेने के लिए बिना किसी हिचकिचाहट के हमारे गुरु जी पी. करण स्वामी से संपर्क करें। हमारे गुरुजी के पास सभी सवालों के जवाब हैं।

नाड़ी ज्योतिष को किसी व्यक्ति के भविष्य का पूर्वानुमान लगाने के लिए एक अत्यंत अत्यंत सटीक तरीका कहा जाता है। ज्योतिष प्रणाली ने कई लोगों को महत्वपूर्ण महत्वपूर्ण जीवन निर्णय लेने में सहायता की है। ताड़ के पत्तों का उपयोग हर इंसान इंसान की आशाओं और भविष्य का आकलन करने के लिए किया जाता था।

"ऑनलाइन वास्तविक नाड़ी ज्योतिष वैश्विक सेवा में"

तिरुरुगवनम सिद्धर पीडम की कहानी :

हमारे गुरु जी.पी. करण स्वामी ने इस थारुगावनम सिद्ध बीधम को बनाने के लिए कई स्थानों को देखा। वे एक बार पश्चिमी घाट में सथुरगिरी महालिंगम मंदिर गए और हमसे थारुगावनम (महर्षि की तपस्या स्थली) नामक स्थान के बारे में पूछा। लेकिन तब हमारे पास कोई जवाब नहीं था। हमें उस क्षेत्र में रहने वाले बुजुर्गों द्वारा द्वारा दी गई जानकारी और आस-पास के मंदिरों के नक्शों के माध्यम से

थारुगावनम का पूरा विवरण पता चला। यहाँ आने के बाद ही हमें थारुगावनम के ऐतिहासिक निशानों के बारे में पता चला। 48,000 हज़ार ऋषियों ने एक मन से मिलकर तपस्या की और इस "थारुगावनम सिद्ध बीधम" में कई आशीर्वाद प्राप्त प्राप्त किए। थेवरम और थिरुवासगम जैसी पुस्तकों में वर्णित इस स्थान की महानता को देखते हुए, हमारे गुरु जी ने यहाँ ध्यान मंडप बनाने के लिए सभी प्रयास प्रयास किए और थारुगावनम सिद्ध पीडम ध्यान मंडपम की शुरुआत की।

थरुगावनम सिद्धर पीडम - ध्यान मंडपम की विशेष विशेषता 50 फीट ऊंचा मंदिर है और इसके अंदर उन्होंने एक ही पत्थर से बने 5 फीट ऊंचे शिव लिंगम को प्रतिष्ठित करने का निर्णय लिया।

तदनुसार, थरुगावनम सिद्धार पीडम कार्य अंतिम चरण में पहुँच गया है। इस कार्य कार्य का उद्देश्य मन को शांत करना, एक भगवान के सामने बैठना और भगवान भगवान शिव से प्रार्थना करना है कि वे हमारे मन को शांत करें, हमारे सपनों को पूरा करें और जीवन में अच्छी तरह से जिएँ। जीवन के उच्चतम स्तर पर पहुँचें। हमारे गुरुजी पी. करण स्वामी सबसे पुराने और विश्वसनीय नाड़ी ज्योतिषियों में से से एक हैं। हमारे गुरुजी जीवन में आने वाले कष्टों को दूर करने के लिए सही समाधान प्रदान करेंगे।

थरुगावनम सिद्धार पीडम की मुख्य विशेषताएं

- थरुगावनम सिद्धर पीडम
- थरुगावनम गोशाला
- थरुगावनम ध्यानमंडपम
- थरुगावनम यागासलाई

जब तक मैं जीवित रहूँ "ॐ नमःशिवाय वझ्ग"

थरुगावनम सिद्धर पीड़म गोशाला:

थरुगवनमसिद्धारपीड़म का एकमात्र मिशन देशी गायों की रक्षा के इरादे से काम काम करना है। देशी गायों की रक्षा के इरादे से काम करते हुए इस थरुगवनमसिद्धारपीड़म गोशाला की स्थापना एक ट्रस्ट के रूप में की गई है। भारत भारत में 21 प्रकार के घरेलू मवेशी हैं, जिनमें से हमारे पास केवल 8 प्रकार के घरेलू घरेलू मवेशी हैं।

• गिर - गिर

• राठी - राठी

- साहीवाल - साहीवाल
- थारपारकर - थारपारकर
- कांकरेज - कांकरेज
- ओंगोल – ओंगोल
- कंगायम – कंगायम
- बुंकानूर कुट्टई - बुंकानूर कुट्टई

लेकिन इनमें से साहीवाल, गिर, धारबरकर और राठी अपने दूध देने के गुणों के लिए जानी जाती हैं। और हम देशी गायों की अन्य मध्यम नस्लों को लाना और उन्हें उन्हें सुरक्षित रूप से पालना और लोगों को उनके महान गुणों के बारे में बताना अपना विशेष मिशन मानते हैं। गाय सभी जीवन का पहला हिस्सा हैं। गाय एक ऐसा जानवर है जिसने हमें कृषि को ठीक से करने की समझ दी और गाय का दूध A2 प्रकार का होता है। यह गैर विषैला होता है और शरीर को भरपूर मात्रा में आवश्यक खनिज, विटामिन, प्रोटीन आदि प्रदान करता है, जो मानव पाचन में और और शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करता है। थरुगावनम गोशाला बिना किसी आय अर्जित करने के इरादे से तीन साल से अधिक समय से यह काम गर्व से कर रही है। अगर आप इस काम से जुड़ना चाहते हैं, तो आप गायों के लिए गाय या चारा खरीदकर आ सकते हैं और मदद कर सकते हैं

थरुगावनं सिद्धर पीड़म यज्ञशाला:

थरुगावनमसिद्धारपीड़म यज्ञशाला का कार्य आगम नियमों, तिरुमुरै के अनुसार अनुसार और पारंपरिक नियमों के अनुसार उपचार करना है।

यह देखते हुए कि बहुत कम जगहें हैं जहाँ आगम नियमों के अनुसार, नियमों के अनुसार और पारंपरिक नियमों के अनुसार उपचार किए जाते हैं, सिद्धार पीडम यज्ञशाला फाउंडेशन के नाम से इस थारुगावनम की स्थापना की गई है और कई लोगों का इलाज किया जा रहा है। उपचार कई प्रकार के होते हैं। उनमें से कुछ यहाँ यहाँ दिए गए हैं। वे हैं,

- गणपति होमम
- आयुष होमम
- पितृ दोष का उपाय

- कलत्र दोष
- चेववई दोशाम
- प्रत्यंगिरा देवी मूल मंत्र
- अष्टलक्ष्मी मूल मंत्र
- सताचार मूल मंत्र
- भैरव मूल मंत्र
- पंचाचार मूल मंत्र
- कालक कार्य सिद्धि मूल मंत्र

इस प्रकार, विभिन्न दोषों का उपचार ओटुवर्स की मदद से सबसे अच्छा किया जाता जाता है।

थरुगावनम ध्यान मंडपम:

थरुगावनमसिद्धारपीड़म ध्यानमंडपम का उद्देश्य यह है कि हर दिन हर कोई मन मन की शांति के साथ ध्यान मंडपम में आए, भगवान की पूजा करे, बुरे विचारों को दूर करे और भगवान की कृपा प्राप्त करे।

हमारे गुरु जी पी. करण स्वामी ने इस थारुगवनमसिद्धारपीडम ध्यानमंडपम को बनाने के लिए कई जगहों को देखा। वे एक बार पश्चिमी घाट में स्थित पहाड़ी मंदिर मंदिर सथुरगिरी महालिंगम मंदिर गए और हमसे थारुगवनम (महर्षि की तपस्या स्थली) नामक जगह के बारे में पूछा। लेकिन उस समय हमारे पास जवाब नहीं था। हमने इलाके में पढ़ने वाले बुजुर्गों द्वारा दी गई जानकारी और आस-पास के मंदिरों मंदिरों के नक्शों के माध्यम से थारुगवनम का पूरा विवरण पाया।

यहाँ आकर ही हमें थरुगावनम के इतिहास के बारे में पता चला। वो ये कि 48,000 हज़ार ऋषियों ने एक मन होकर तपस्या की और इस "थरुगावनम सिद्ध पीठम" में कई वरदानों को जन्म दिया।

थेवरम और थिरुवासकम जैसी पुस्तकों में वर्णित इस स्थान के गुणों को देखते हुए, हुए, हमारे गुरुजी ने यहां ध्यानम मंडपम बनाने के लिए सभी प्रयास किए और थरुगावनम सिद्धर पीडम ध्यानम मंडपम की शुरुआत की।

थरुगावनम सिद्धार पीडम ध्यान मंडपम की विशेष विशेषता यह है कि उन्होंने एक एक ही पत्थर से बने 5 फीट ऊंचे शिव लिंगम को स्थापित करने का निर्णय लिया।

लिया।
तदनुसार, थरुगावनम सिद्धार पीठम का कार्य अब अपने अंतिम चरण में है। इस कार्य का उद्देश्य यहाँ आकर मन को स्थिर करना और एक ईश्वर के सामने बैठकर बैठकर ध्यान करना तथा सर्वशक्तिमान भगवान शिव से प्रार्थना करना है कि हमारा मन शांत हो, हम अपने सपनों में सफलता प्राप्त करें, जीवन में स्वस्थ रहें और जीवन के उच्च स्तर तक पहुँचें।